सत्यमेव जयते

राजस्थान राजपत्र
विशेषांक

RAJASTHAN GAZETTE
Extraordinary

साधिकार प्रकाशित

Published by Authority

भाद्र 24, सोमवार, *शाके* 1947- सितम्बर 15, 2025
Bhadra 24, Monday, Saka 1947- September 15, 2025

भाग 6 (क)

नगरपालिकाओं संबंधी विज्ञप्तियां आदि।

स्वायत शासन विभाग, राज. जयपुर

अधिसूचना

जयपुर, सितम्बर 01, 2025

संख्या प.10(न.पा.)(गठन)(चुनाव)डीएलबी/25/14861 :-राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 3 एवं 10 तथा राजस्थान नगर पालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 3 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला कलक्टर श्रीगंगानगर द्वारा स्थानीय निकाय नगर पालिका गजसिंहपुर हेतु वार्ड गठन के प्रारुप आदेश पर प्राप्त आपत्तियों के संबध में प्रस्ताव, अपने अभिमत सहित प्रेषित किये गये हैं। वार्ड गठन के प्रारुप आदेश पर आपत्तियों पर विचार करने के पश्चात राज्य सरकार उनके अभिमत से सहमत है तथा उनके द्वारा प्रस्तावित वार्ड गठन के प्रारुप आदेश को अनुमोदित करती है।

यह सक्षम स्तर से अनुमोदित हैं ।

राज्यपाल की आज्ञा से,

जुईकर प्रतीक चन्द्रशेखर,
निदेशक एवं विशिष्ट शासन सचिव।

<u>नगर पालिका गजसिंहपुर का सीमा विवरण प्रपत्र-क वर्ष-2025</u>

वार्ड न.	वार्डों के सीमांकन का विवरण	जनसंख्या
1	उतरी-पश्चिमी कोणे सीमा पत्थर नम्बर 211/233 से दक्षिण की तरफ चलते हुए जलदाय विभाग, छात्रावास को शामिल करते हुए मण्डी सीमा पर दक्षिण की तरफ चलते हुए दक्षिणी-पश्चिमी मण्डी सीमा के पत्थर संख्या 239 तक। यहां से पूर्व की ओर चलते हुए रेलवे लाईन तक। यहां से उतर दिशा की तरफ चलते हुए रेलवे फाटक तक। यहां से पूर्व की तरफ चलते हुए करणपुर-रायसिंहनगर पर अंगतजीत सिंह आरा मशीन तक। यहां से उतर दिशा की तरफ चलते हुए करणपुर-रायसिंहनगर रोड़ के साथ साथ चलते डॉ. भूपेन्द्र शर्मा के धर्मकान्टा (गौरव पथ कार्नर) तक। भूपेन्द्र शर्मा के धर्मकान्टा (गौरव पथ कार्नर) यहां से पूर्व की तरफ चलते हुए नगरपालिका पुस्तकालय के पिछे तक। यहां से उतर की तरफ चलते हुए गौरव पथ को क्रास कर A/16 को	478

	छोड़ते हुए K/5 को सम्मिलित करते हुए इसके उतरी-पूर्वी कोणे से चलते हुए गुरूनानक नगर को शामिल करते हुए उतरी मण्डी सीमा तक। यहां से पश्चिम की तरफ चलते हुए उतरी-पश्चिमी कोणे मण्डी सीमा पत्थर संख्या 211/233 तक।	
2	उतरी-पश्चिमी कोणे रेलवे फाटक से दक्षिण की तरफ चलते हुए रेलवे प्लेटफार्म, रेलवे स्टेशन, रेलवे क्वार्टर को शामिल करते हुए रेलवे लाईन के साथ-साथ दक्षिण की तरफ चलते हुए मण्डी की दक्षिण सीमा तक। यहां से पूर्व की तरफ मुड़ते हुए डिफेन्स रोड़ को क्रॉस कर सुगना देवी सांसी के मकान को छोड़कर डिफेन्स रोड़ पर उत्तर की तरफ चलते हुए पोस्ट ऑफिस को शामिल करते हुए पोस्ट आफिस के दक्षिणी-पश्चिमी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए अमरजीत सिंह, चरणजीत सिंह पि0 परमजीत सिंह के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के दक्षिणी-पूर्वी कोणे से गौरव पथ पर उतर की तरफ चलते हुए पुस्तकालय के दक्षिणी-पूर्वी कोणे तक। पुस्तकालय के दक्षिणी-पूर्वी कोणे से पुस्तकालय के उतरी-पूर्वी कोणे तक। यहां से पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुए डिफेन्स रोड़ पर बलविन्द्र सिंह के खाली प्लाट को शामिल करते हुए डिफेन्स रोड़ के साथ-साथ दक्षिण में चलते हुए रेलवे फाटक तक।	550
3	उतरी-पश्चिमी कोणे बाबू जगजीवन राम सामुदायिक केन्द्र को शामिल करते हुए इसके उतरी-पश्चिमी कोणे से दक्षिण की तरफ डिफेन्स रोड़ पर चलते हुए सुगना देवी पत्नि श्री गनीराम सांसी के मकान को शामिल करते हुए इनके पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से मण्डी सीमा पर पूर्व की तरफ चलते हुए श्रीमति रेशमा देवी पत्नि श्री जैताराम के कब्जे को शामिल करते हुए यहां से उतर की तरफ चलते हुए विवाह स्थल को शामिल करते हुए गौरव पथ पर उतर की तरफ चलते हुए सहीराम के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-उतरी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए बाबूजगजीवन राम सामुदायिक केन्द्र उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	482
4	उतरी-पश्चिमी कोणे सोहनलाल पुत्र श्री मंगतराम नायक के मकान को शामिल करते हुए गौरव पथ पर दक्षिण की तरफ चलते हुए विवाह स्थल को छोड़ते हुए गुरदेव सिंह पुत्र श्री दिलबाग सिंह के कब्जे को शामिल करते हुए दक्षिणी मण्डी सीमा पर पूर्व की तरफ चलते हुए फूलाराम लुहार के मकान को शामिल करते हुए पूर्व की तरफ चलते हुए गंदे पानी के गढे तक। यहां से उतर की तरफ चलते हुए भंवरलाल नायक के मकान को शामिल करते हुए सामुदायिक शौचालय को शामिल करते हुए इसके पूर्वी-उतरी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए गौरव पथ को क्रास कर उदाराम नायक के घर को शामिल करते हुए	476

	इनके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए मोडाराम नायक के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-उतरी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए सोहनलाल नायक के मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	
5	उतरी-पश्चिमी कोणे नानकचंद' पुत्र श्री देवाराम के मकान को शामिल करते हुए दक्षिण की तरफ गौरव पथ पर चलते हुए सुभाषचन्द पुत्र श्री जीतराम की किरयाने की दुकान को शामिल करते हुए इनकी दुकान के उतरी-पूर्वी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए शांति देवी के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से दक्षिण की तरफ चलते हुए भोमाराम नायक के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के दक्षिणी-पश्चिमी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए गौरव पथ क्रास कर मलकीत सिंह मजहबी के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से दक्षिण की तरफ सीधा चलते हुए गन्दे पानी के गढे को शामिल करते हुए दक्षिणी मण्डी सीमा तक। यहां से पूर्व की तरफ चलते हुए चित्रकुटी धाम की मेन सड़क पर उतर की तरफ चलते हुए बीरबल राम पुत्र श्री भीखाराम की किरयाने की दुकान को शामिल करते हुए इनकी दुकान के पूर्वी-उतरी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए नानकचन्द पुत्र श्री देवाराम के मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	523
6	उतरी-पश्चिमी कोणे कुम्भाराम मिस्त्री के मकान के दक्षिण की तरफ चलते हुए **केसरी चंद (पुराना भूरा सिंह का मकान) के मकान** को शामिल करते हुए पश्चिमी दिशा में चलते हुए **हरजिन्द्र सिंह पुत्र श्री सुखदेव सिंह** के मकान तक। यहां से दक्षिण की तरफ चलते हुए राउप्रावि नं. 05 तक। यहां से पूर्वी दिशा की तरफ चलते हुए चिमना राम के घर को शामिल करते हुए दक्षिण की तरफ चलते हुए चित्रकुटी धाम वाली सड़क के मेन गेट के मध्य तक। यहां से चित्रकुटी धाम को शामिल करते हुए चित्रकुटी धाम व श्मशान घाट को शामिल करते हुए दक्षिणी मण्डी पर पूर्व की तरफ चलते हुए पूर्वी मण्डी सीमा पत्थर संख्या 239 तक। यहां से उतर की तरफ चलते हुए मण्डी सीमा पत्थर संख्या 237 तक। यहां से पश्चिम की तरफ सीधा चलते हुए पूर्वी मण्डी फिरनी के पास दर्शना देवी पत्नि श्री जोगीराम के मकान को छोड़ते हुए इनके मकान के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से फिरनी के साथ-साथ दक्षिण की तरफ चलते हुए प्रेम कुमार शर्मा के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए उतरी-पश्चिमी कोणे कुम्भाराम मिस्त्री के मकान तक ।	539
7	उतरी-पश्चिमी सीमा रिम्पी सोनी के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से दक्षिण की तरफ चलते हुए राजकुमार	532

	गिरधर के मकान को शामिल कर इनके मकान के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए कमल मितल के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से दक्षिण की तरफ चलते हुए गोप कालड़ा के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए बलजीत सिंह मास्टर के मकान को शामिल कर इसके पूर्वी-दक्षिणी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए हंसराज काठपाल के मकान को शामिल करते हुए आर एम स्कूल के दक्षिणी पश्चिमी कार्नर से दक्षिण की तरफ चलते हुए मेघराज खत्री के मकान को शामिल करते हुए पूर्वी दिशा में मण्डी फिरनी के साथ-साथ चलते हुए दर्शना देवी पत्नि श्री जोगीराम के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-उतरी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए पूर्वी मण्डी सीमा तक। यहां से उतर की तरफ चलते हुए पदमपुर रोड़ तक। यहां से पश्चिम की तरफ चलकर रिम्पी सोनी के मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	
8	उतरी-पश्चिमी सीमा भीमसेन मितल के मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से दक्षिण की तरफ चलते हुए गुरदयाल हुण्दल के मकान को छोड़ते हुए इनके मकान के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए कृषि उपज मण्डी समिति कार्यालय को छोड़ते हुए रामलील ग्राउण्ड को आंशिक शामिल करते हुए राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विधालय की तरफ चलते हुए कुलदीप नाई की दुकान को शामिल करते हुए यहां से पूर्व की तरफ चलते हुए के राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विधालय के उतरी-पूर्वी कोणे तक। यहां से दक्षिण की तरफ चलते हुए राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विधालय को **छोड़ते हुए करते हुए** दक्षिणी पूर्वी कोणे तक। यहां से पश्चिम की तरफ चलते हुए श्री कुन्दनलाल मिगलानी के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से **पदमपुर- गजसिंहपुर रोड क्रॉस कर** दक्षिण की तरफ चलते हुए एएसआई नरेन्द्र के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए मदनलाल पुत्र श्री कर्मचन्द के मकान को शामिल कर इनके मकान के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए पदमपुर रोड़ क्रास कर लाल स्कूल को शामिल करते हुए इसके दक्षिणी-पश्चिमी कोणे से पदमपुर रोड़ पर पूर्व की तरफ चलते हुए पूर्वी मण्डी सीमा तक। यहां से उतर की तरफ चलते हुए पूर्वी मण्डी सीमा पत्थर संख्या 235 तक। यहां से पश्चिम की तरफ सीधा चलते हुए भीखाराम लुहार के मकान को शामिल करते हुए व धानक धर्मशाला को छोडकर इसके पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से दक्षिण की तरफ चलते हुए मांगीलाल के मकान 37 एफ ब्लाक को शामिल करते हुए इनके मकान के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पश्चिम की	508

	तरफ चलते हुए सुशील कुमार सिपाही के मकान को शामिल करते हुए वीर सिंह यादव के मकान को शामिल करते हुए वीर सिंह यादव के मकान से दक्षिण की तरफ चलते हुए विनय अरोड़ा (सोनू ज्यूस बार) के मकान को शामिल करते पश्चिमी की तरफ चलते हुए भीमसेन मितल के मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	
9	उतरी-पश्चिमी कोणे शिव मन्दिर धानक समाज को शामिल करते हुए दक्षिण की तरफ चलते हुए अश्वनी कुमार के मकान को शामिल कर इसके पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए धर्मपाल इन्दौरा के मकान से दक्षिणी की तरफ चलते हुए अंजना पत्नी श्री मदनलाल के मकान के दक्षिणी-पश्चिमी कोने से पूर्व की तरफ चलते हुए जगदीश यादव के मकान को शामिल करते हुए उतर दिशा में चलते हुए जगदीश यादव के पिछे मांगीलाल के खाली प्लाट (आहाता संख्या 32 एफ) को शामिल करते हुए पूर्व की तरफ चलते हुए धानक धर्मशाला को शामिल कर पूर्व की तरफ सीधा चलते हुए पूर्वी मण्डी सीमा के पत्थर संख्या 235 तक। यहां से उतर की तरफ चलते हुए पत्थर संख्या 235 व 234 के मध्य तक। यहां से पश्चिम की तरफ सीधा चलते हुए पूर्वी मण्डी फिरनी को क्रास कर गोपाल तोला, सीस राम मेम्बर के मकान को शामिल करते हुए संजय कुमार पुत्र श्री मदनलाल बैंक कर्मी के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से दक्षिण की तरफ चलते हुए रूडी देवी दाई के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए शिव मन्दिर धानक समाज के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	545
10	उतरी-पश्चिमी कोणे मण्डी सीमा के पत्थर संख्या 208 व 207 के लगभग मध्य से दक्षिण की तरफ चलते हुए हरीकिशन पुत्र श्री पदमाराम के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से दक्षिण की तरफ सीधा चलते हुए रमेश कुमार किशनाराम, मुरलीराम बैंक कर्मी के मकान को शामिल करते हुए दक्षिण की तरफ सीधा चलते हुए चिंरजी किराड़ के मकान को शामिल कर इनके मकान के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए प्रकाश चन्द पुत्र श्री रिछपाल के मकान को शामिल कर इनके मकान के दक्षिणी-पूर्वी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए राजकुमार पुत्र श्री रतीराम के मकान को शामिल कर इनके मकान के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ सीधा चलते हुए पूर्वी मण्डी सीमा पत्थर संख्या 234 व 235 के मध्य तक। यहां से उतर की तरफ चलते हुए मण्डी सीमा के उतरी-पूर्वी कोणे पर मण्डी सीमा पत्थर संख्या 203/233 तक। यहां से पश्चिम की तरफ मण्डी सीमा के साथ-साथ चलते हुए उतरी मण्डी सीमा पत्थर संख्या 207 व 208 के मध्य तक।	531

11	उतरी मण्डी सीमा पत्थर संख्या 209 व 208 के मध्य से दक्षिण की तरफ सीधा चलते हुए गुरूनानक नगर को छोड़ते हुए ए/16 को सम्मिलित करते हुए इसकी उतरी-पश्चिमी कोणे से दक्षिण की तरफ चलकर गौरव पथ को क्रास कर नगरपालिका पुस्तकालय के उतरी दिवार के मध्य तक। यहां से गौरव पथ पर पूर्व की तरफ चलते हुए अर्बन स्कूल को शामिल कर इसके पूर्वी-दक्षिण कोणे से उतर की तरफ चलते हुए वाल्मीकी मन्दिर व भंवरलाल पुत्र श्री सहीराम के मकान को शामिल करते हुए मण्डी सीमा पत्थर संख्या 208 व 207 के मध्य तक। यहां से पश्चिम की तरफ चलते हुए उतरी मण्डी सीमा पत्थर संख्या 208 व 209 के मध्य तक।	460
12	उतरी-पश्चिमी कोणे पृथ्वीराज शास्त्री के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से गौरव पथ पर दक्षिण की तरफ चलते हुए किशन जग्गा के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के दक्षिणी-पश्चिमी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए शांति गिरधर के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के दक्षिणी-पूर्वी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए रवि शर्मा पुत्र बाबूलाल शर्मा के मकान को शामिल करते हुए इसके पूर्वी-उतरी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए सोमेश पाठक के मकान को शामिल करते हुए इसके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए श्री गोपाल सिंह के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-उतरी कोणे से गौरव पथ पर पश्चिम की तरफ चलते हुए श्री पृथ्वीराज शास्त्री के मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	458
13	उतरी-पश्चिमी कोणे पुराने आर.एम स्कूल के उतरी-पश्चिमी कोणे से दक्षिण की तरफ चलते हुए राज कुमार सुखीजा के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के दक्षिणी-पश्चिमी कोणे से पश्चिम की तरफ मुड़ते हुए वेदप्रकाश बजाज के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से गौरव पथ पर दक्षिण की तरफ चलते हुए **भीमसेन मित्तल (न्यू नीलकंठ फैशन)** की दुकान को शामिल करते हुए इनकी दुकान के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए विजय मित्तल (**काला**) के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के दक्षिणी-पूर्वी कोणे से उतर की तरफ गौरव पथ पर चलते हुए फकीरचन्द के मकान को शामिल कर इनके मकान के पूर्वी-उतरी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए पुराने आर.एम स्कूल की बिल्डिंग के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	478
14	उतरी पश्चिमी सीमा श्री कमलजीत सिंह हुण्दल के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान से दक्षिण की तरफ चलते हुए मण्डी समिति को शामिल करते हुए राजकीय कन्या उच्च माध्यमिक विधालय के दक्षिणी	545

	पश्चिमी कोणे तक। यहां से पश्चिम की तरफ चलते हुए राजन गुप्ता के मकान को शामिल करते हुए प्रमोद बिश्नोई की दुकान (पाली कोचर) की दुकान को शामिल करते हुए दक्षिणी दिशा में चलते हुए गुरविन्द्र मिस्त्री की दुकान तक। यहां से पूर्व दिशा में चलते हुए हरबंस नागपाल के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए पदमपुर रोड़ को क्रास कर धर्मेन्द्र सिंह, गुरूनानक मेडिकल के मकान को शामिल करते हुए यहां से पूर्व की तरफ चलते हुए राबाउमावि के दक्षिणी-पश्चिमी कोणे तक। यहां से उतर की तरफ चलते हुए राबाउमावि की उतरी-पूर्वी कोणे तक। यहां से पश्चिम की तरफ चलते हुए कुलवन्त सिंह एसी रिपेयर की दुकान को शामिल करते हुए यहां से उतर की तरफ चलते हुए रामलीला ग्राउंड को शामिल कर उतर की तरफ चलते हुए सतीश मित्तल के मकान तक। यहां से पश्चिम की तरफ चलते हुए उतरी-पश्चिमी सीमा श्री कमलजीत सिंह हुण्दल के मकान तक।	
15	उतरी-पश्चिमी सीमा इकबाल सिंह (गोगा) की खाली दुकान के उतरी-पश्चिमी कोणे से गौरव पथ पर दक्षिण की तरफ चलते हुए रामनारायण **चौ**धरी के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के दक्षिणी-पश्चिमी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए चन्द्रशेखर पुत्र चन्द्रभान के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए विनोद पासी के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-उतरी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए उतरी पश्चिमी सीमा इकबाल सिंह (गोगा) की खाली दुकान तक।	514
16	उतरी-पश्चिमी कोणे गुरूद्वारा सिंह सभा से दक्षिण की तरफ डिफेन्स रोड़ पर चलते हुए बाबू जगजीवन राम सामुदायिक केन्द्र को छोड़कर इसके उतरी-पश्चिमी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए गुडी देवी नायक के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के दक्षिणी पूर्वी कोणे से उतर की तरफ गौरव पथ पर चलते हुए गुरूद्वारा सिंह सभा के पूर्वी-उतरी कोणे तक। यहां से पश्चिम की तरफ चलते हुए गुरूद्वारा सिंह सभा के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	454
17	उतरी-पश्चिमी कोणे किशनलाल भाट के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान से गौरव पथ पर दक्षिण की तरफ चलते हुए पूर्णराम मिस्त्री के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए रामीदेवी पत्नि श्री गंगाराम के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए लालीदेवी नायक के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के दक्षिणी-पश्चिमी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए गौरव पथ पर चेतराम भाट के प्लाट को शामिल करते हुए इनके प्लाट	497

	के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से उतर की तरफ गौरव पथ पर चलते हुए सुरेन्द्र कौर पत्नि श्री नानकचन्द के अहाता को शामिल करते हुए इनके अहाता के उतरी-पूर्वी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए किशनलाल भाट के मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे तक ।	
18	उतरी-पश्चिमी कोणे विद्यादेवी पत्नि श्री मोहनलाल कुम्हार के मकान से गौरव पथ पर दक्षिण की तरफ चलते हुए नानक कुम्हार के अहाते को शामिल करते हुए इनके अहाते के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ चलते हुए गौरव पथ को क्रास कर नानकचन्द की किरयाने की दुकान को शामिल करते हुए चेतराम पुत्र श्री मनीराम ढोली के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-दक्षिणी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए बलवीर पूनिया के मकान को शामिल करते हुए इनके मकान के पूर्वी-उतरी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए विद्यादेवी पत्नि श्री मोहनलाल कुम्हार के मकान के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	479
19	उतरी-पश्चिमी कोणे नरेश मिगलानी के मकान से दक्षिण की तरफ चलते हुए बाबाराम देव मन्दिर को शामिल करते हुए मन्दिर के पश्चिमी-दक्षिणी कोणे से पूर्व की तरफ चलते मन्दिर के दक्षिणी-पूर्वी कोणे तक। यहां से उतर की तरफ चलते हुए हनुमान पुत्र सीताराम के मकान तक। यहां से पूर्व की तरफ चलते हुए जोगेन्द्रपाल मास्टर के खाली प्लाट को शामिल करते हुए दक्षिणी-पूर्वी कोणे से उतर की तरफ चलते हुए दाता राम के खाली प्लाट को शामिल करते हुए इनके उतरी-पूर्वी कोणे से पश्चिम की तरफ चलते हुए मैनादेवी पत्नी अर्जुनराम के मकान को शामिल करते हुए उतरी दिशा की तरफ चलते हुए बन्त सिंह टेलर के मकान तक। यहां से पश्चिम की तरफ चलते हुए शिवचंद काठपाल के मिठाई गोदाम को शामिल करते हुए यहां से पूर्णचन्द रेवड़ी के खाली गोदाम को शामिल करते हुए यहां से पश्चिम की तरफ चलते हुए नरेश मिगलानी के उतरी-पश्चिमी कोणे तक।	470
20	उतरी-पश्चिमी कोणे केवल भठेजा (मुकसरिया) के मकान को शामिल करते हुए दक्षिणी दिशा में चलते हुए विक्रम सहगल के मकान को शामिल करते हुए पश्चिमी दिशा की तरफ चलते हुए **कुलभुषण पुत्र पूर्णचन्द रेवड़ी** के मकान को शामिल करते हुए दक्षिणी दिशा में चलते हुए नरेश काठपाल उर्फ बिल्ला के मकान को शामिल करते हुए पूर्व दिशा में शिवचन्द काठपाल के मकान को शामिल करते हुए दक्षिणी दिशा की तरफ चलते हुए बालूराम पटवारी के मकान को शामिल करते हुए जिन्दल क्लासेज को शामिल करते हुए पूर्व दिशा की तरफ मुड़ते हुए जगसीर सिंह न.पा. कर्मचारी के मकान को शामिल करते हुए रामकला यादव से उतर की तरफ चलते हुए चिराग बतरा के मकान को शामिल करते हुए पश्चिमी दिशा की तरफ मुड़ते हुए गुरचरण मास्टर के	476

	मकान के साथ खाली प्लाट (कार्नर) को शामिल करते हुए उतर दिशा मे चलते हुए संदीप पारीक पुत्र श्री सत्यनारायण पटवारी के मकान तक। यहां से पश्चिम दिशा मे चलते हुए उतरी-पश्चिमी कोणे केवल भठेजा (मुकसरिया) तक।	

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।